# मार्च 2023 तक यमुना के प्रदूषण को 90% तक खत्म करने का रखा लक्ष्य

**नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली, दिनांक 19.11.2020**

दिल्ली सरकार ने यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने की तरफ कदम बढ़ा दिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने को लेकर जल मंत्री सतेंद्र जैन और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जल बोर्ड ने मुख्यमंत्री के सामने 2023 तक यमुना नदी के प्रदूषण को 90 प्रतिशत तक कम करने संबंधित योजना को पेश किया। सीएम ने इस प्लान को हरी झंडी देते हुए डीजेबी को हर हाल में 2023 तक यमुना के प्रदूषण को 90 प्रतिशत तक कम करने का निर्देश दिया है।

सीएम ने दिल्ली जल बोर्ड के साथ समीक्षा बैठक में दो अहम मसलों पर चर्चा की। यमुना को कैसे प्रदूषण से मुक्त किया जा सकता है और जल बोर्ड द्वारा शोधित किए जा रहे पानी का दोबारा कैसे उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली जल बोर्ड ने प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि हरियाणा से बादशाहपुर ड्रेन के जरिए यमुना में करीब 90 एमजीडी गंदा पानी गिरता है। इस गंदे पानी को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ड्रेन के अंदर ही शोधित किया जाएगा। दूसरा दिल्ली में छोटे-बडे नालों से होकर जो भी गंदा पानी बह रहा है, उस पानी को टैप करके एसटीपी में लेकर जाया जाएगा। तीसरा अभी दिल्ली में जो एसटीपी चल रहे है, उनकी गुणवत्ता को बढाया जाएगा। एसटीपी की गुणवत्ता को बढाने के लिए सभी उपकरणों को अपग्रेड करने के साथ कई कदम उठाए जाएंगे। चौथा जब गंदे पानी को साफ किया जाता है, तो उसमें से कचरा निकलता है। साथ ही दिल्ली में करीब 50 प्रतिशत घर सीवर लाइन से कनेक्ट नहीं है, अभी इस पर काम चल रहा है। इन घरों में सेप्टिक टैंक का इस्तेमाल किया जाता है। जल बोर्ड की योजना है कि आने वाले समय में वो उन सेप्टिक टैंकों से ठोस कचरा को एकत्र करेगा और बॉयो गैस प्लांट की मदद से बिजली बना कर अपने प्लांट में उपयोग करेंगा। समीक्षा बैठक के दौरान यमुना नदी में गिरने वाले प्रदूषित पानी को लेकर भी चर्चा की गई। दिल्ली के चार से पांच नालों से गंदा पानी निकल कर यमुना में गिरता है। इसमें नजफगढ,शहादरा ड्रेन, बारापुला ड्रेन,दिल्लीगेट नाला और मोरी गेट का नाला शामिल है। इन सभी नालोंमें गंदा पानी आने के दो प्रमुख स्त्रोत है। पहला एसटीपी से इन नालों में पानी डाला जाता है या दूसरा, घरों का गंदा पानी नालियों से होकर आता है। केवल नजफगढ और शहादरा के नालों में एसटीपी व घरों के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश से भी गंदा पानी आता है। डीजेबी पहले सभी एसटीपी को अपग्रेड करेगा और नालों से होकर आने वाले गंदे पानी का टैप करके एसटीपी में ले जाकर शोधित करेगा। हरियाणा से बादशाहपुर नाले के जरिए 90 एमजीडी पानी यमुना में आकर गिरता है, इस पानी को नाले के अंदर ही शोधित किया जाएगा। हरियाणा से आने वाला 15 एमजीडी गंदे पानी को नरेला स्थित एसटीपी में ले जाकर शोधित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश से 50 एमजीडी गंदा पानीआता है, उसे कोंडली एसटीपी में ले जाकर शोधित किया जाएगा।